

सामूहिक विवाह बढ़ाते है समाज में समरसता : सीएम यादव

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह के अंतर्गत 112 नवदंपतियों का हुआ विवाह संपन्न

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले को दी 58 करोड़ रुपए के सात विकास कार्यों की सीगात

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह समाज में समरसता और अपनत्व की भावना बढ़ाते है। उन्होंने

कहा कि वैवाहिक संस्कार एक दिन का आयोजन नहीं बल्कि अक्षय मूल्यों और अक्षय संस्कारों की स्थापना है। विवाह संस्कार दो परिवार को जोड़ने का प्रसंग होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में नगर निगम द्वारा क्षिप्रा तट स्थित कार्किंक मेला मैदान पर आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अक्षय तृतीया के पवित्र दिवस पर बाबा श्री महाकाल और माँ हर सिद्धि की कृपा से 112 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन



की पावन धरा पर धर्म का सबसे अनूठा संगम हो रहा है। एक ओर बेटियों का

कन्यादान कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर सिंहस्थ 2028 के लिए विकास कार्यों की आधारशिला रखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह संस्कार जितना सरल, संस्कारित और सामाजिक सहयोग से होगा, उतना ही समाज संतुलित और मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा भी बेटे का विवाह 4 माह पूर्व सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया गया था।

867 करोड़ की सहायता से एक लाख 57 हजार 769 विवाह संपन्न

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों के हाथ पीले करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना वरदान बन गई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत 13 दिसंबर 2023 से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश में कुल 1 लाख 57 हजार 769 हितग्राहियों का विवाह एवं निकाह संपन्न कराया गया है। इसके लिये लगभग 867 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। उज्जैन में -मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में

कुल 641 जोड़ों का विवाह एवं निकाह संपन्न कराया गया है, जिसमें 3 करोड़ 52 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि सरकार द्वारा प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 को श्रद्धालुओं का अनुभव आध्यात्मिक और सुविधापूर्वक बनाने के लिए लगभग 21 करोड़ रुपए से हरसिद्धि की पाल से रामघाट मार्ग का चौड़ीकरण, 13.30 करोड़ रुपए की लागत से श्री महाकाल लोक में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शोड निर्माण का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

हुआ तो हुआ। अब ये मत पूछो कि - ये क्या हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ, छोड़ो ये न सोचो...। लोकसभा में परिसीमन विधेयक लटकने से फिलहाल 543 लोकसभा सीटें ही रहेंगी। वरना बहुत जल्द और तीन सौ माननीय सांसदों और हजारों नये विधायकों के वेतन भत्ते का भारी भरकम खर्चा जनता के मथे पड़ता। पहले ही संसद और विधानसभाओं में क्या कोई काम शेर शराबा और हंगामा होता है? यह और बढ़ जाता। सरकार खुद कहती है कि छोटा परिवार सुखी परिवार फिर वह काम के न काज के दुश्मन अनाज के कहलाने वालों की संख्या क्यों बढ़ाना चाहती है?

तापमान	
अधिकतम 43°	न्यूनतम 29°
बाजार भाव	
गोल्ड 141,850	सिल्वर 2,53,000
शेयर बाजार	
सेंसेक्स 78,493.54	निफ्टी 24,353.55
विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,287,931,661	1474252552

चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी सामग्री पर सख्ती की नयी दिल्ली (वार्ता)। चुनाव आयोग ने 2026 में विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी, भ्रामक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जनित सामग्री का उपयोग करने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सख्त नियम लागू किए। आयोग ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा, सभी संबंधित पक्षों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों, जैसे कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुसार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए।

मंडे मेगा स्टोरी पेज-12 पर पढ़े...



मुख्यमंत्री ने नारायण के छठवें अवतार भगवान परशुराम की जन्म-स्थली पर की पूजा-अर्चना

भगवान परशुराम और श्रीकृष्ण लोक से जानापाव को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान : सीएम यादव

भव्य और दिव्य स्वरूप में विकसित होगी भगवान परशुराम की जन्म-स्थली

17.41 करोड़ की लागत से होंगे विकास कार्य

प्रदेश में श्रीकृष्ण पाथेय के स्थलों को भव्य तीर्थ के रूप में किया जायेगा विकसित

जानापाव तीर्थ क्षेत्र में गंभीर और अजनार नदी को किया जायेगा पुनर्जीवित

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और विकासोन्मुख दृष्टि का समन्वित संदेश देते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जीवन आस्था, श्रद्धा और धर्म की स्थापना के लिए समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हर युग में अधर्म के विरुद्ध खड़े होकर परशुराम जी ने धर्म की पुनर्स्थापना की और शास्त्र तथा शास्त्र दोनों में पारंगत रहकर संतुलित शक्ति का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव में

नामी ब्रांडों के नकली इंजन ऑयल बनाने वाले गिरौह का भंडाफोड़

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गाजीपुर इलाके में नकली इंजन ऑयल बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 700 लीटर नकली इंजन ऑयल बरामद किया है। पुलिस ने भारी मात्रा में नामी ब्रांडों के पैकिंग का सामान और मशीनें भी जब्त की गई हैं। पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि जांच अभी जारी है।

मोहनखेड़ा महातीर्थ पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव, किए दर्शन

सीएम यादव ने मोहनखेड़ा महातीर्थ में आदिराज पारणा महोत्सव में की सहभागिता

पारणोत्सव में मुख्यमंत्री का उपवास, संस्कार और सेवा का संगम का संदेश

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अनेक योनियों के पश्चात मानव शरीर की प्राप्ति होती है, जो पंचतत्वों से निर्मित है। इस शरीर को संस्कारित करने के लिए उपवास एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर पारणोत्सव के माध्यम से इस जीवन को पुण्य संचयन से जोड़ने का यह अवसर अत्यंत पावन और



17.41 करोड़ की लागत से श्री परशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जायेगा, जो भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाला एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन का केन्द्र बनेगा। इस लोक के माध्यम से जानापाव को राष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर इंदौर जिले के जानापाव में आयोजित 'परशुराम प्रकटोत्सव' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-

अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की और महाभारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह की कला पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव क्षेत्र से 7 से अधिक नदियों का उद्गम हुआ है, जिनमें प्रमुख रूप से चंबल, गंभीर, अजनार, चोरल शामिल हैं। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंभीर और अजनार नदी को पुनर्जीवित करने की कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नदियां धरती माता की धमनियों के समान हैं। उनका संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत

प्रवाह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। नदियों के जीवित होने से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित नदी जोड़ो अभियान की सराहना करते हुए कहा कि केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखण्ड क्षेत्र और पार्वती-कालीसिंध परियोजना से मालवा एवं राजस्थान क्षेत्र को पेयजल, सिंचाई उद्योग और बिजली उत्पादन में व्यापक लाभ मिलेगा, जो क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के विवाह में

सदियों के आक्रमणों के बावजूद आज भी अडिग है सनातन आस्था: योगी

लखनऊ (वार्ता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदियों के आक्रमणों और चुनौतियों के बावजूद भारत की सनातन आस्था आज भी अडिग है और निरंतर नए गौरव के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जैसे आत्मा अजर-अमर है, वैसे ही सनातन आस्था भी उसी अजर-अमर पथ का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने रविवार को लखनऊ में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मोहनखेड़ा महातीर्थ पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव, किए दर्शन

सीएम यादव ने मोहनखेड़ा महातीर्थ में आदिराज पारणा महोत्सव में की सहभागिता



(वर्षोत्प पारणा महोत्सव) का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन गच्छाधिपति श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निशा में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान 550 से अधिक तपस्वियों का पारणा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे चराचर जगत में सूर्य ऊर्जा का संचार करता है, उसी प्रकार मानव जीवन में गुरुदेव सूर्य के समान

परशुराम जी के धनुष की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो उस काल की परंपरा और सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि परशुराम जी के आशीर्वाद से ही उन्होंने असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को संभव किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परशुराम जी को महान गुरु बताते हुए कहा कि उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महायोद्धाओं को शिक्षित कर उन्हें दिव्यास्त्रों का ज्ञान प्रदान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव में प्रस्तावित लोक में पौराणिक महत्व को दर्शाने वाला एक भव्य संग्रहालय बनाया जाएगा, जिसमें शास्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा और ध्यान दीर्घा के माध्यम से भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा। परिसर में दोनों भगवानों की कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, 30 फीट ऊंचा भव्य प्रवेश द्वार निर्मित होगा, कथा मंच का निर्माण किया जाएगा तथा गजबो, व्यू पॉइंट, लैंडस्केपिंग और पाथ-वे सहित अन्य आधारभूत विकास कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 16 की मौत

■ 6 घायल, कई मलबे में दबे, 30 मजदूर काम कर रहे थे

विरुधुनगर (ए.)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को धमाका हुआ। फायर एंड रेस्क्यू विभाग के मुताबिक, हादसे में अब तक 16 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में 30 मजदूर काम कर रहे थे। 6 लोगों को गंभीर घायल होने के कारण अस्पताल ले जाया गया, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है।



दमकल, पुलिस और राहत टीमों मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं। फिलहाल विस्फोट की वजह साफ नहीं है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने एक्स पर लिखा- इस

हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुःख है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। सीएम ने मंत्रियों को तुरंत घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एक्सप्रेस-वे खतरे का गलियारा नहीं बनना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

■ सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश के लिए रोडसेपटी निर्देश जारी किए

नई दिल्ली/ए। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए पूरे देश में कई गाइडलाइंस जारी की हैं। इन निर्देशों एक्सप्रेसवे जैसी सड़कों पर भारी वाहनों की पार्किंग पर रोक भी शामिल है। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों के कारण एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुकर की बेंच ने सड़क और परिवहन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय



राजमार्ग प्राधिकरण और राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को सड़कों को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। बेंच ने बताया कि नेशनल हाईवे भारत की कुल सड़क लंबाई का सिर्फ 2% है, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली कुल मौतों में इनका हिस्सा लगभग 30% है। ये निर्देश 13 अप्रैल को सामने आए। जहां कोर्ट 2 और 3 नवंबर 2025 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुंगेली में अक्ती पर्व की धूम, पुतरा-पुतरी की शादी की परंपरा से बच्चों में उत्साह

मुंगेली/नवप्रदेश। अक्ती पर्व आज 20 अप्रैल को शहर सहित ग्रामीण अंचलों में धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसकी तैयारी ग्रामीण मटका और पुतरा-पुतरी एक दिन पूर्व ही खरीदकर घर ला रहे हैं और पुतरा-पुतरी की शादी रचाई जाएगी और पूरी विवाह शादी की रस्में पूरी की जाएंगी।

नौनिहाल बच्चों में ही उत्साह व बाजार रौनक देखी जा रही है। अंचल में, आज अक्षय तृतीया पर्व पर बड़ी संख्या में होगी शादियां। बैड, डीजे, भवन,

वाहन आदि पहले से ही बुक कर लिये गये है। अक्षय तृतीया का पर्व परंपराओं और संस्कारों का पर्व माना गया है जो तृतीया का पर्व परंपराओं और संस्कृति को बढ़ावा देने वाला पर्व है, यह केवल गुड़े और गुड़िया की शादी नहीं वरन् इसके जरिए विवाह संस्कार की रस्मो से अवगत कराता है कुछ जगहों पर यह परंपरा आज भी देखने को मिलती है, वहीं कहीं कहीं पर यह परंपरा विलुप्त होते जा रही है, आधुनिक युग के बच्चे

एवं युवा वर्ग इन परंपराओं से अनभिज्ञ होते जा रही है। शहर सहित ग्रामीण अंचलों में अक्ती पर्व को लेकर लोगों व बाजार में जोरदार रौनकता बनी हुई है। आज 20 अप्रैल को अक्ती पर्व शहर सहित ग्रामीण अंचलों में धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी ग्रामीण मटका और पुतरा-पुतरी एक दिन पूर्व ही खरीदकर घर ला रहे हैं और पुतरा-पुतरी की शादी रचाई जाएगी और पूरी विवाह बच्चों में भी उत्साह व बाजार रौनक



देखी जा सकती है। वहीं कुम्हार मटका व पुतरा-पुतरी बेचकर अच्छे आमदनी कमाने लगे हैं। अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में जहां एक तरफलोग अपने बेटा,

बैड, डीजे, भवन, वाहन आदि पहले से ही बुक कर लिये गये है। वहीं दूसरी तरफ बच्चे भी अपने गुड़े, गुड़ियों की शादी धूमधाम से रचाने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। परीक्षाओं से निवृत्त होने के बाद बच्चों के सबसे प्रिय त्यौहार अक्षय तृतीया या अक्ती में बच्चों के लिए गुड़े, गुड़ियों की शादी का खेल सबसे रोचक है। अक्ती के दिन बच्चों द्वारा गुड़ा, गुड़िया की शादी का खेल खेलना भी उसी विशिष्ट परम्परा का हिस्सा है, जिससे पर्व निखर उठते हैं। अक्ती के

पहले ही कुम्हार इनका निर्माण कर गांव-गांव पहुंच जाते हैं। जिनके घर बच्चे होते हैं वे तो अनिवार्य रूप से पुतरा-पुतरी खरीदते हैं। यदि दो घर के तो एक घर में पुतरा को और दूसरे घर में पुतरी को रखा जाता है। इसके बाद छोटा सा मण्डप तैयार किया जाता है और चूलमाटी, तेलमाटी, बारात का प्रदर्शन करते हुए बच्चे सूप, चनी, टीपा और थाली को लकड़ी से बजाकर बाजा की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

न्यूज गैलरी

कांकेर को 6 विकेट से हराकर कोरिया की सेमीफाइनल में एंट्री



मनेन्द्रगढ़/कोरिया/एमसीबी/नवप्रदेश। जिला क्रिकेट टीम कोरिया ने शानदार खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। एक रोमांचक 'करी या मरो' मुकाबले में कोरिया ने कांकेर की टीम को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के होनहार खिलाड़ियों के इस बेहतरीन प्रदर्शन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और अब मनेन्द्रगढ़ में विजेता टीम के भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कांकेर की शुरुआत खराब रही। कोरिया के गेंदबाजों के आगे कांकेर की पूरी टीम पहली पारी में महज 136 रनों पर ढेर हो गई। कांकेर की ओर से आर्यन गुप्ता (41 रन) और काव्य शंकर (37 रन) ही टिक सके। कोरिया के कुशा चावड़ा ने पातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए, जबकि अथर्व सिंह ने 3 और स्वाभिमान यादव ने 2 विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। जवाब में कोरिया की पहली पारी 125 रनों पर समाप्त हुई। ऑलराउंडर आबिद अली ने संकट के समय 68 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभाला। अभिनय ने 26 और अथर्व सिंह ने 18 रनों का योगदान दिया। दूसरी पारी में कोरिया के गेंदबाजों ने फिर कहर बरपाया। अथर्व सिंह ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट अपने नाम किए। स्वाभिमान यादव के 3 विकेटों की मदद से कांकेर की दूसरी पारी मात्र 98 रनों पर सिमट गई, जिससे कोरिया को जीत के लिए 110 रनों का लक्ष्य मिला।110 रनों के लक्ष्य को कोरिया की टीम ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आबिद अली (41 रन नाबाद), कुशा चावड़ा (29 रन) और अमन विश्वकर्मा (25 रन नाबाद) ने टीम को 6 विकेट से बड़ी जीत दिलाई। विजेता खिताब से अब टीम महज दो कदम दूर है। कोच किशन केवट और मैनेजर शारदा मरावी सहित जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी है। मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

मजदूरों को अब आसानी से मिलेगा 5 किलो वाला रसोई गैस सिलेंडर

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी)/नवप्रदेश। जिले में रह रहे प्रवासी मजदूरों को अब भोजन पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। शासन के निर्देशानुसार, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलोग्राम प्री ट्रेड एलपीजी (स्रद्धा) सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना शुरू की है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों और गैस वितरकों को इस संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन प्रवासी श्रमिकों को राहत देना है जो रोजगार की तलाश में जिले में अस्थायी रूप से निवास कर रहे हैं और जिनके पास स्थायी पता न होने के कारण नियमित घरेलू गैस कनेक्शन नहीं है। यह सिलेंडर अधिकृत वितरण केंद्रों के माध्यम से सीधे प्राप्त किया जा सकेगा। प्रशासन ने वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए कुछ शर्तें तय की हैं: सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लाभार्थी को अपना पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड) उपलब्ध कराना होगा। लाभार्थियों की सहमति से श्रम विभाग द्वारा जारी श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति भी ली जाएगी। इन दस्तावेजों के आधार पर ही नियमानुसार गैस कनेक्शन और रफिल की सुविधा प्रदान की जाएगी। योजना में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए एलपीजी वितरकों को दैनिक स्टॉक, बिक्री और शेष सिलेंडरों का नियमित रिकॉर्ड (अभिलेख) संभारित करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य विभाग के अधिकारी समय-समय पर इन रिकॉर्ड्स का औचक निरीक्षण करेंगे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस योजना के तहत गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग या कालाबाजारी की कोई शिकायत मिलती है, तो संबंधित एजेंसी या व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि सभी पात्र प्रवासी मजदूरों तक इस सुविधा का लाभ समयबद्ध और प्रभावी तरीके से पहुंचे।

हिट एंड रन मुआवजा योजना 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन पर बैठक

मुंगेली/नवप्रदेश। सुप्रीम कोर्ट के रिट पिटीशन एस. राजसीकरण विरूद्ध यूनियन ऑफ इंडिया में पारित आदेश 12 जनवरी 2024 के पालन एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर में हिट एंड रन मुआवजा योजना 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिजा देवी मेरावी ने पीड़ितों के लिए क्षतिपूर्ति आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने, दुर्घटना से संबंधित आवश्यक दस्तावेज समय पर तैयार कर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष प्रस्तुत करने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिट एंड रन मुआवजा योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना पीड़ितों एवं उनके परिवजनों को आर्थिक संकल प्रदान करना है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके। बैठक में हिट एंड रन मामलों में अज्ञात वाहनों द्वारा होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में मृत एवं वायतलों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर विशेष से चर्चा की गई। इस दौरान यह भी निर्देशित किया कि पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा दुर्घटना संबंधी आवश्यक अभिलेख समयसीमा में उपलब्ध कराए जाएं, ताकि पीड़ित पक्षकारों को मुआवजा राशि का त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

*कहीं लंबी लाइन तो कहीं दुकान खुलने के इंतजार में बैठे रहीं महिलाएं

मुंगेली/नवप्रदेश। -राशन की मार से महिलाएँ परेशान सर्वर के आवा-जाही और फ़िअरिप्रिंट एक बार में नहीं लगने के कारण घंटों करना पड़ रहा है अपनी बारी का इंतजार जिले की राशन दुकानों में तीन माह का राशन एकमुश्त वितरण किया जा रहा है इससे दुकानों में भीड़, ऑनलाईन पंजी में अधिक समय और खराब सर्वर के चलते लोगों को भारी असुविधा हो रही है, वहीं बड़ी हुई गर्मी में लोग लाईन लगाकर इंतजार कर रहे है।

जहां दो बार फ़िअरिप्रिंट लगाकर काम पूरा कर लिया जाता था अब यही छः बार फ़िअरिप्रिंट लगाकर भी धूप में लाईन लगाकर खड़ा किया जा रहा है, सर्वर न होने के कारण ओटीपी भी ढेर से प्रसा हो रहा है। सरकार की नजर में शायद यह बढ़ती गर्मी को देखते हुए, सुविधा है लेकिन इससे होने वाली असुविधा आम नागरिकों के लिए



पेशानी का सबब बन गया है। सरकार द्वारा राशन दुकानों में एक और जहां अप्रैल से जून तक तीन महीने का चावल एक साथ बांटा जा रहा है, वहीं हितग्राहियों के लिए ये सुविधा गले की फंसे साबित हो रही ज्यादातर राशन दुकानों में बेतहाशा भीड़ की वजह से लोगों को धूप में लाईन लगाकर खड़ा होना पड़ रहा है, तो कुछ दुकानों में सुबह साढ़े दस बजे तक भी तालेबंदी होने से महिलाएं धूप में बैठकर इंतजार करने को मजबूर

भगवा वस्त्र में ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर में इन दिनों भेष बदलकर ठगी करने वाले गिरोह सक्रिय है। भगवा वस्त्र पहनकर लोगों को प्रसाद एवं रत्न पथर के जरिए ठगी में जुटे हुए है। एक व्यापारी की दुकान में भगवा वस्त्र पहने युवक ने खुद को संत बताकर रूपये की मांग की जा रही है। उक्त व्यापारी ने उससे धर्म से जुड़े सामान्य सवाल किए, तो उसकी असलियत सामने आ गई। साधू भगवान शिव के पांच नाम तक नहीं बता पाया। नागरिकों ने धर्म की आड़ में लोगों के साथ ठगी करने वाले ऐसे साधुओं पर कार्यवाही की

मांग की है। क्षेत्र में इन दिनों कई प्रकार के भिखारी एवं ठा सक्रिय है, जो भगवा वस्त्र धारण कर धर्म की आड़ में रूपये वसूली करने में जुटे हुए है। विगत दिनों पुण्या बस स्टैंड के पास एक व्यापारी के दुकान में 18-20 वर्षीय युवक जो भगवा वस्त्र पहने खुद को साधू बता रहा था। धर्म के नाम पर वह रत्न पथर एवं प्रसाद देकर राशि की मांग कर रहा था। व्यापारी ने उसे धर्म से संबंधित भगवान राम के वनवास एवं शिव जी के पांच नाम पूछे जाने पर वह सकपका गया। कभी वो खुद को पंजाबी संत बताता या फिर मांगने वाला बता रहा था, जब उसका

आधार कार्ड चेक किया गया, तो उसकी पहचान कुछ और ही निकला। दुकानदार द्वारा भगवान शिव के पांच नाम पूछने पर वह युवक एक भी नाम नहीं बता सका, जिससे स्पष्ट हो गया कि वह केवल ठगी के उद्देश्य से साधु का भेष धारण किया हुआ था। नागरिकों ने धर्म की आड़ में लोगों के साथ ठगी करने वाले ऐसे साधुओं पर कार्यवाही की मांग की है। इस संदर्भ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा ने नागरिकों से अपील की है कि मोहल्ले या घर या दुकान पर आने वाले अनजान व्यक्तियों की पहचान पहले सुनिश्चित करें।

भाषा के आधार पर भेदभाव करने वाले किड्स एकेडमी पर कार्रवाई

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। भाषा के आधार पर बालक को प्रवेश देने से इंकार करने के संबंध में सोशल मीडिया तथा विभिन्न न्यूज चैनलों के माध्यम से सामने आए मामलों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अजीत वसंत ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण की विस्तृत जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार झा ने आदेश जारी किया गया है, जांच में यह तथ्य

प्रकाश में आया कि स्वर्ण किड्स एकेडमी (पेशागी एजुकेशन सोसायटी) चोपड़ापारा अम्बिकापुर द्वारा 04 वर्ष के एक मासूम बच्चे को विद्यालय में प्रवेश देने से इस आधार पर इंकार किया गया कि वह हिन्दी में बातें नहीं कर पाता तथा स्थानीय सरगुजिहा भाषा में बात करता है। संस्था द्वारा बच्चे के पिता से यह भी कहा गया कि इस विद्यालय में बड़े घर के बच्चे पढ़ते हैं और शिक्षक बच्चे की बातें नहीं समझ पा रहे हैं।

किताब घोटाला और फीस बढ़ोतरी पर कार्रवाई, महंगी किताबें और फीस वृद्धि पर एक्शन

अंबिकापुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर में निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की शुरुआत कर दी है। अभिभावकों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने ओरिएंटल पब्लिक स्कूल और कार्मेल स्कूल के कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों संस्थानों को दो दिनों के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा की गई प्रारंभिक जांच और हाल ही में आयोजित



पालक-शिक्षक बैठक में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जांच में पाया गया कि संबंधित स्कूलों द्वारा एनसीईआरटी की निर्धारित पुस्तकों के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें अनिवार्य रूप से चलवाई जा रही हैं, जो शासन के दिशा-निर्देशों के विपरीत है। इससे अभिभावकों पर

अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा किताबें खरीदने के लिए एक ही निर्धारित दुकान का दबाव बनाया गया। कई पालकों ने बताया कि उन्हें पूरा बुक सेट खरीदने के लिए मजबूर किया गया, जबकि कुछ किताबों की आवश्यकता नहीं थी।

इस तरह की व्यवस्था न केवल पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायिक हितों के हावी होने का भी संकेत देती है। इसके अलावा सत्र 2026-27 के लिए फीस में 9 प्रतिशत से लेकर 13 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की शिकायतें भी सामने आई हैं। अभिभावकों का कहना है कि बिना किसी ठोस कारण के फीस में वृद्धि की गई है, जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना मुश्किल होता जा रहा है।



गिल्ली डंडा, कंचा, रस्साकसी रस्सीदौड़,भाला,गोला फेंक, ऊंची कुद 100-200 -400 मीटर दौड़ जैसे खेल विधाओं के अलावा करमा बापर शैला सुआ डोमकच दादर जैसे क्षेत्र विशेष के प्राचीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को

बढ़ावा देने के लिए यह योजना बनाई गई थी। प्रदेश में सता परिवर्तन के बाद इसे बंद कर दी गई। नये पिढ़ी के लोगों को पुराने जमाने के लुप्त होते जा रहे खेलों को जानने समझने का एक बड़ा अवसर था वह खत्म हो गया।



एमपी में भीषण गर्मी का दौर शुरू, 9 शहरों में 42 से ज्यादा पारा

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश में अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में गर्मी ने अचानक तेज रफ्तार पकड़ ली है। खजुराहो में सीजन का सबसे ज्यादा 43.2 डिग्री तापमान दर्ज हुआ, जबकि 9 शहरों में पारा 42 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। 16 जिलों में लू का अलर्ट जारी है और अगले कुछ दिनों में गर्मी और बढ़ने के संकेत हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों का समय बदल दिया गया है। मध्य प्रदेश में



हिस्सों में तापमान 42 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है। खजुराहो के बाद उमरिया

(42.9), टीकमगढ़-नौगांव (42.8), मंडला (42.5), दमोह, गुना और दतिया (42.2) जैसे शहर भी भीषण गर्मी की चपेट में रहे। वहीं बड़े शहरों में जबलपुर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 42 डिग्री दर्ज हुआ। भोपाल और ग्वालियर 41.3 डिग्री, इंदौर 40.6 और उज्जैन 40.5 डिग्री पर रहे।

16 जिलों में लू का अलर्ट
मौसम विभाग ने शनिवार के लिए 16 जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी

किया है। इनमें अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, धार, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतुल, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना समेत कई जिले शामिल हैं। आने वाले 2-3 दिनों में तापमान और बढ़ने की आशंका जताई गई है, जिससे लू का असर और तेज हो सकता है।

स्कूल टाइमिंग बदली, बच्चों की सेहत को लेकर प्रशासन सख्त
तेज गर्मी और धूप के चलते बच्चों

की सेहत पर खतरा बढ़ गया था। इसी को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों का समय बदल दिया गया है। राजधानी भोपाल में अब स्कूल सुबह 7-30 बजे से दोपहर 12 बजे तक ही लगेंगे। इसके अलावा ग्वालियर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, रायसेन, बालाघाट, अनूपपुर और उमरिया समेत कई जिलों में भी नई टाइमिंग लागू कर दी गई है। इस बार अप्रैल की शुरुआत में मौसम अलग ही मिजाज में था।

न्यूज़ गैलरी

एमपी के शिक्षकों का भोपाल में प्रदर्शन, झापन सौंपा : टेट अनिवार्यता के खिलाफ जुटे



मांग पूरी नहीं होने पर जून में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में शनिवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बड़ा शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने एमपी नगर एस्डीएम को झापन सौंप कर प्रदर्शन को समाप्त किया। आयोजकों के मुताबिक, भोपाल के भेल स्थित दशहरा मैदान में 'मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा' के तहत प्रदेश के अलग अलग जिलों से करीब 50 हजार से ज्यादा शिक्षकों ने भाग लिया। अजाद अध्यापक संघ के अध्यक्ष भरत पटेल ने चेतावनी दी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो जून में फिर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सरकार परीक्षा ले तो पड़ाई का समय दे, जनगणना में न लगाए

संयुक्त मोर्चे के संयोजक जगदीश यादव ने कहा कि अगर सरकार परीक्षा लेना ही चाहती है तो शिक्षकों को पड़ाई के लिए समय दिया जाए और उन्हें जनगणना जैसे कामों में न लगाया जाए। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि पहले से नौकरी कर रहे शिक्षकों को दोबारा शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी झ्रक्षज देने के लिए मजबूर करना गलत है। उनका कहना है कि नियुक्ति के समय सभी जरूरी योग्यता पूरी की गई थी, ऐसे में 20 से 25 साल की सेवा के बाद नई शर्तें थोपना न्यायसंगत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट आदेश से 90 से 95 प्रतिशत शिक्षक प्रभावित हुए

शिक्षकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से 90 से 95 प्रतिशत तक शिक्षक प्रभावित हुए हैं। खासकर वे शिक्षक जो पहले अध्यापक थे और बाद में शिक्षक संवर्ग में शामिल हुए। इन शिक्षकों ने कम वेतन से नौकरी शुरू की थी और आज भी पेंशन, ग्रेच्युटी और सेवा अवधि की गणना जैसे अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

मूल तारीख से सेवा की गणना नहीं कर रही सरकार

संयुक्त मोर्चा ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार नियुक्ति की मूल तारीख से सेवा की गणना नहीं कर रही है जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब झ्रक्षज को अनिवार्य करने से उन पर और दबाव बढ़ रहा है और आगे चलकर कम पेंशन और ग्रेच्युटी मिलने का डर भी बना हुआ है।

भारी भीड़ के कारण पेड़ों के नीचे बैठे शिक्षक

दशहरा मैदान में भारी भीड़ के कारण पंडाल छोटा पड़ गया और कई शिक्षकों को पेड़ों की छांव में बैठना पड़ा। दूर दूर से आए प्रदर्शनकारियों को पुलिस बैरिकेडिंग की वजह से अपने वाहन काफी पहले ही रोकने पड़े और वहां से पैदल ही मैदान तक पहुंचना पड़ा। गौरतलब है कि इससे पहले 8 अप्रैल को जिला स्तर पर और 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर भी प्रदर्शन किए गए थे। उसी कड़ी में यह राज्य स्तरीय प्रदर्शन भोपाल में किया गया। आखिर में शिक्षकों ने एमपी नगर एस्डीएम एल.के. खरे को ज्ञापन सौंपा और अपनी मांगों पर जल्द फैसला लेने की अपील की। इसके साथ ही दिन भर चला यह बड़ा प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया।

बेतवा के उद्गम स्थल को जीवित करने चलेगा अभियान

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के पास झिरी गांव स्थित बेतवा नदी के उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने के लिए 26 अप्रैल से 2 मई 2026 तक एक सप्ताह का श्रमदान अभियान शुरू होगा। इस अभियान में मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यावरण कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार, पिछले वर्ष गर्मी के मौसम में बेतवा का उद्गम स्थल पूरी तरह सूख गया था। इसके बाद मई 2026 में एक सप्ताह का श्रमदान शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें 55 चेक डैम बनाए गए थे। इन संरचनाओं के कारण जल संचयन में आंशिक सुधार हुआ और उद्गम स्थल पर पानी की उपलब्धता बढ़ी। इसी क्रम में इस वर्ष फिर से अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस बार लक्ष्य उद्गम स्थल को पूरी तरह पुनर्जीवित करना और जल संरक्षण के स्थायी उपाय विकसित करना है। अभियान के दौरान चेक डैम निर्माण, जल प्रवाह मापों की सफाई और अन्य संरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। इस प्रयास में मप्र-छत्तीसगढ़ के पूर्व आयुक्त आरुण आरके पालीवाल, राज्यसभा टीवी के पूर्व सीईओ व वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, कार्टूनिस्ट आबिद सूरती, वरिष्ठ पत्रकार अभिलाष खांडेकर व पद्मश्री बाबूलाल दाहिया समेत कई सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी, डॉक्टर और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि यह पहल सामुदायिक सहभागिता पर आधारित है और इसमें किसी भी इच्छुक व्यक्ति को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया

नये विषयों, एआई आधारित पाठ्यक्रमों में लोकसेवकों ने दिखाई विशेष रुचि

साधना सप्ताह में मप्र को अधिकतम पाठ्यक्रम पूरा करने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

राज्य में जनजातीय कार्य विभाग प्रथम स्थान पर

भोपाल/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत लोक सेवकों के लिए संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के लिये चलाये गये साधना सप्ताह में मध्यप्रदेश को आईगाट पोर्टल पर अधिकतम पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान मिला है। साधना सप्ताह गत दो अप्रैल से 10 अप्रैल तक चलाया गया था। राष्‍ट्र्‍यापी साधना सप्ताह में विभिन्‍न पाठ्‍यक्र्‍मों में पंजीयन् करने वाले लोक सेवकों की संख्‍या 9 लाख 49 हजार 215 रही। एक्‍ गप्‍टे के कोर्स पूरा करने वाले प्रदेश के लोक सेवकों की संख्‍या 3 लाख 12 हजार 662 रही। चार घंटे के कोर्स पूरा करने वाले लोक सेवकों की संख्‍या 2 लाख 25 हजार 700 और कम से कम एक एआई कोर्स पूरा करने वाले लोक सेवकों की संख्‍या 1 लाख 85 हजार 562 रही। साधना सप्ताह के दौरान कर्मयोगी उत्‍कर्ष बैच 855 को मिला जबकि 92,432 को एआई दक्ष बैच मिला।

केन्‍द्रीय कार्मिक मंत्री डॉ. जितेन्‍द्र सिंह ने नई दिल्‍हि में गत दिवस गरिमापूर्ण समारोह में मप्र को सम्‍मानित किया। आसीवीपी नरोन्‍हा प्रशासन एवं प्रबन्‍धकीय अकादमी के महानिदेशक श्री सचिन सिन्‍हा ने पुरस्‍कार ग्रहण किया। उन्होने विभागों के लोक



सेवकों को निरन्‍तर मार्गदर्शन दिया और विभागों में निरन्‍तर समन्‍वय बनाये रखा। अकादमी के संचालक श्री मुजीबुर्रहमान खान ने बताया कि अकादमिक स्‍टाफ और विभागों के सहयोग से प्रदेश को राष्ट्रीय स्‍तर पर सम्‍मान मिला है। आसीवीपी नरोन्‍हा प्रशासन अकादमी को विभागों के लिए एआई आधारित क्षमता निर्माण कार्ययोजनाएं बनाने में उल्लेखनीय योगदान के लिये पुरस्‍कृत किया गया। राज्‍य स्‍तर पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 10 हजार से ज्यादा लोकसेवकों की श्रेणी में उक्‍कृ्‍ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्‍थान प्राप्त हुआ है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण एक निरन्‍तर प्रक्रिया है। लोकहित के कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कार्यक्षमता अनिवार्य है। साधना

सप्ताह का उद्देश्य शासकीय सेवकों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से शासकीय तंत्र में सुदृढ़ता सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षण की विभिन्न प्रणालियों को अपनाने और द्वतथज्ञ कर्मयोगी पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए लोक सेवकों को प्रेरित किया गया। साधना सप्ताह का ढांचा तीन प्रमुख सूत्रों पर केन्द्रित था – टेक्नोलॉजी, परंपरा और ठोस परिणाम। ‘साधना सप्ताह’ के दौरान प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी को न्यूनतम 05 प्रशिक्षण पूर्ण करने का लक्ष्य दिया गया था। प्रत्येक विभाग में 4 से 5 व्यक्तियों का समूह बनाया गया, जिसमें विभागाध्यक्ष, स्थापना एवं तकनीकी शाखाओं से जुड़े अधिकारी थे। संभाग, जिला, विकास खंड एवं प्रत्येक कार्यालय प्रमुख के स्तर पर समूह बनाए गये।

साधना सप्ताह अतर्गत

पूर्व नेता प्रतिपक्ष बोले-यूपी का गेहूं एमपी में बिक रहा: पैसे लेकर बनाए गए खरीदी केन्द्र

भोपाल/नवप्रदेश।

मध्यप्रदेश में समर्थन मूल्य (MSP) पर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने भिंड जिले, विशेषकर लहार और रौन क्षेत्र में मप्र-यूपी सिंडिकेट के जरिए करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है। डॉ. गोविंद सिंह ने सीधेतौर पर खाद्य अधिकारियों और भाजपा नेताओं की सांठगांठ को इस लूट का जिम्मेदार बताया है।

डॉ. गोविंद सिंह ने चौंकाने



वाला खुलासा करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश में गेहूं की बाजार कीमत लगभग 2100 रुपए है, जबकि मध्यप्रदेश में बोनास मिलाकर MSP 2625 रुपए प्रति क्विंटल पड़ रही है। इसी अंतर

का फायदा उठाने के लिए यूपी के अनाज माफिया सक्रिय हैं। यूपी का सस्ता गेहूं फर्जी पंजीयन के जरिए एमपी के केंद्रों पर खपाया जा रहा है। प्रति क्विंटल सीधेतौर पर 500 रुपए से ज्यादा का चूना सरकार को लगाया जा रहा है।

खरीदी शुरू होने से पहले ही 5000 क्विंटल माल तैयार
सबसे हैरान करने वाला मामला लहार के उपार्जन केंद्रों पर सामने आया है। डॉ. सिंह के मुताबिक सरकारी खरीदी विधिवत शुरू होने से पहले ही केंद्रों पर 4

से 5 हजार क्विंटल गेहूं भरा गया था। किसानों के स्लॉट बुक होने से पहले ही नागरिक आपूर्ति निगम का बारदाना (बोरियां) माफियाओं तक पहुंचा दिया गया। जिला प्रशासन की छापेमारी में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में और बोरियों में भरा मिला, जिसे आनन-फानन में मजदूरों से भरवाया जा रहा था। भिंड जिले की सहकारी समिति अमाहा के सचिव पहले पकड़े जा चुके हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि बीजेपी के एक मंडल अध्यक्ष ने दतिया जिले से गेहूं खरीदकर भिंड

जिले में बेचा है। खरीद केंद्र बनाने के लिए जिला खाद्य अधिकारी 5 लाख रुपए प्रति केंद्र वसूल करते हैं। जहां पहुंच नहीं हैं। वहां दूरस्थ क्षेत्रों में खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। नरेश सिंह नाम का मेहगांव विधानसभा का एक कार्यकर्ता का वेयरहाउस तीन साल से नहीं भर पा रहा है। उसकी जब जमीन बिकने लगी तो वह पैसे लेकर आया और 5 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। उसका वीडियो भी सामने आया है। नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी बिना पैसे केंद्र

वर्ष 2028-29 का चुनाव महिला केंद्रित होना तय!

भाजपा घर- घर जाकर कांग्रेस का नारी विरोधी चेहरा करेगी उजागर

इस मुद्दे पर कांग्रेस के रुख को नारी विरोधी बताने की भाजपा की तैयारी है।

घर-घर जाकर महिलाओं में कांग्रेस का नारी विरोधी चेहरा उजागर करेगी।

माना जा रहा है कि भाजपा ने विपक्ष को इस मुद्दे पर एक्सपोज कर दिया है।

भोपाल/नवप्रदेश। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संसद में नारी शांति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन विधेयकों के विरुद्ध मतदान कर न केवल महिला शांतिकरण की राह में बाधा डाली है बल्कि विपक्ष के इस

कदम से यह तय हो गया कि वर्ष 2029 में होने वाला लोकसभा चुनाव बिना महिला आरक्षण के होगा। साथ ही यह महिला केंद्रित रहेगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस के रुख को नारी विरोधी बताते हुए भाजपा मध्य प्रदेश में घर-घर जाकर महिलाओं में कांग्रेस का नारी विरोधी चेहरा उजागर करेगी। भाजपा ने विपक्ष को इस मुद्दे पर एक्सपोज कर दिया है। मोदी सरकार ने दक्षिण राज्यों को भी नुकसान न होने का भरोसा दिला दिया था। जिन नेताओं को अपनी सीट जाने का भय था, उन्हें भी सुरक्षा का अहसास करवा दिया था। इसके बाद भी कांग्रेस ने संसद में संशोधन विधेयकों को



पारित होने नहीं दिया। अब भाजपा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में दिए वक्तव्य को रोड़ैप मानकर महिलाओं को सुनाएगी। पार्टी की तैयारी यह है कि वर्ष 2028 में प्रस्तावित मप्र

विधानसभा और वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव को महिला केंद्रित कर दिया जाए। मध्य प्रदेश की राजनीति में महिला मतदाता एक निर्णायक भूमिका में रही हैं। वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव

में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब दिग्विजय सिंह को हरया था, उस चुनाव में भी भी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। तब भाजपा ने दिग्विजय सिंह के 10 साल के शासन के खिलाफ उमा भारती को आगे किया था। इसके बाद वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव में लाइली बेटी, मुख्यमंत्री कल्यादान योजना, जननी सुरक्षा जैसी महिला कल्याण की योजनाओं ने मध्य प्रदेश में सरकार की वापसी कराई। इन योजनाओं ने बेटियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदला। 2008 की सफलता ने भाजपा को यह आत्मविश्वास दिया कि महिला मतदाताओं को सशक्त

करके सत्ता की निरंतरता बनाई रखी जा सकती है। वर्ष 2013 के चुनाव में महिलाओं के बीच मोदी की लोकप्रियता का मोड़ चुनौती जीत का आधार बना। 2008 और 2013 के चुनाव के मतदान में भी अंतर आया। महिलाओं के मतदान प्रतिशत में भारी वृद्धि देखी गई, जो पुरुषों के लगभग बराबर (सिर्फ 0.8 प्रतिशत का अंतर) पहुंच गया था। वर्ष 2018 में भाजपा हारी, लेकिन उसका कारण एक नारा राहुल गांधी का कहना साफ, हर किसान का कर्जा माफ और सत्ता विरोधी रद्दान रहे। वर्ष 2023 के चुनाव भी भाजपा ने लाइली बहना जैसी योजना के नाम पर जीती।



मेरिट लिस्ट गायब, चयन का आधार बना रहस्य, बिरकोनी में कौन बनेगा नया कोटवार?

■ 18 आवेदकों की बढ़ी धड़कनें, पारदर्शिता पर टिकी सबकी नजर

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत बिरकोनी में कोटवार के पद पर नई नियुक्ति की प्रक्रिया इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद शुरू हुई इस प्रक्रिया ने अब नया मोड़ ले लिया है, जहां मेरिट सूची जारी न होने से चयन का आधार ही सवालों के घेरे में आ गया है।

तहसील कार्यालय द्वारा सभी आवेदकों की सूची ग्राम पंचायत को भेजकर प्रस्ताव मांगा गया है, जिससे अब चयन की जिम्मेदारी काफ़ी हद तक पंचायत पर आ गई है। ऐसे में 18 आवेदकों की धड़कनें तेज हो गई हैं और गांव में भी उत्सुकता का माहौल है कि आखिर किसे कोटवार चुना जाएगा।

मेरिट सूची नहीं, चयन कैसे?

ग्राम में मुनादी के जरिए न्यूनतम 12वीं पास उम्मीदवारों से आवेदन

मांगाए गए थे। नियत तिथि तक कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की मेरिट सूची जारी नहीं की गई है। यही कारण है कि चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

पंचायत की भूमिका अहम

तहसील द्वारा आवेदकों के नाम ग्राम पंचायत बिरकोनी को भेजे गए हैं, जहां से प्रस्ताव तैयार कर वापस भेजा जाएगा। पंचायत की बैठक जल्द होने



वाली है, जिसमें किसी एक नाम पर सहमति बनाई जाएगी।

इस प्रक्रिया ने पंचायत की जिम्मेदारी बढ़ा दी है, क्योंकि अब चयन पूरी तरह निष्पक्षता और पारदर्शिता पर निर्भर करेगा।

पुलिस वेरिफिकेशन भी जारी

जानकारी के अनुसार सभी आवेदकों के नाम पुलिस सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए भेजे जा चुके हैं। यह प्रक्रिया चयन से पहले जरूरी औपचारिकता मानी जाती है, जिससे उम्मीदवार की पृष्ठभूमि की जांच की जा सके।

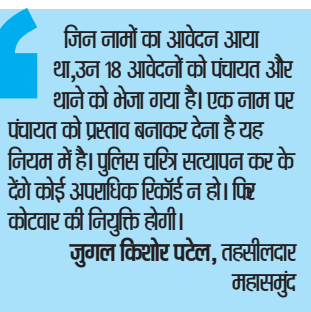
रिशतेदारों की एंट्री से बढ़ी चिंता

सूत्रों के मुताबिक कुछ पंचों के

पारिवारिक सदस्यों ने भी इस पद के लिए आवेदन किया है। ऐसे में निष्पक्ष चयन को लेकर गांव में चर्चा और चिंता दोनों बढ़ गई हैं।

गांव की नजरें पंचायत बैठक पर

अब सभी की निगाहें पंचायत की प्रस्तावित बैठक पर टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि पंचायत बिना किसी पक्षपात के योग्य उम्मीदवार का चयन कर एक आदर्श उदाहरण पेश करेगी। कोटवार जैसे महत्वपूर्ण पद के



लिए चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्ट मापदंड बेहद जरूरी हैं।

साहू समाज नगरी सिहावा द्वारा भव्य रक्त दान शिविर का आयोजन 21

नगरी/नवप्रदेश। दानवीर भामाशाह जयंती के अवसर पर युवा प्रकोष्ठ तहसील साहू समाज नगरी सिहावा के द्वारा 21 अप्रैल मंगलवार को साहू सदन नगरी में भव्य रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में मुख्य रूप से जिला चिकित्सालय धमतरी एवं सीएचसी नगरी के चिकित्सा कर्मी उपस्थित रहेंगे। एवं प्रत्येक रक्त दाताओं को विशेष गिफ्ट सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष भूपेंद्र साहू, सचिव योगेश साहू, उपाध्यक्ष रोशन साहू दी है। आयोजन की तैयारी में चन्द्रभान साहू, दिपेश साहू, विकास साहू, दीपक साहू, पुनेश्वर साहू, लक्ष्मीकांत साहू, थानसिंग साहू, तुकेश्वर साहू, योगेश साहू आदि जुटे हुए हैं।रक्त दान शिविर आयोजन में जिनका विशेष सहयोग मिल रहा सुश्री आरू साहू लोक गाथिका,वाशु कांयूटर नगरी, संतोष ज्वेलर्स नगरी, रूप नारायण साहू जीएसटी सलाहकार,संतोष ज्वेलर्स सांकरा मुकेश साहू जी, स्वास्तिक पैथोलॉजी नगरी, संजीवनी मेडिकोज नगरी, योनेश मेडिकल नगरी, श्रेया प्लेक्स नगरी, रूपेन्द्र साहू,खेमेंद्र साहू जी देवपुर,प्रशांत साहू सब्जी बाड़ी , एवं तहसील साहू समाज नगरी सिहावा के समस्त पदाधिकारी गणों का सहयोग मिल रहा है। तहसील साहू समाज नगरी एवं युवा प्रकोष्ठ तहसील साहू समाज ने अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील किया है।उक्त जानकारी योगेश कुमार साहू सचिव युवा प्रकोष्ठ तहसील साहू समाज नगरी के द्वारा दिया गया।

पार्षद और युवाओं के सहयोग से बस स्टैंड में खुला प्याऊ

महासमुंद/नवप्रदेश। शहर के बस स्टैंड में वार्ड पार्षद चंद्रशेखर बेलदार ने स्थानीय युवाओं के सहयोग से प्याऊ की व्यवस्था शुरू कराई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी में लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराकर राहत पहुंचाना है। बस स्टैंड क्षेत्र में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में यात्री, ग्रामीण और श्रमिक वर्ग के लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में ठंडे पानी की यह व्यवस्था उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। प्याऊ शुरू होते ही वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और इस सेवा कार्य की खुलकर सराहना की। बेलदार ने कहा कि भीषण गर्मी में जनता को राहत पहुंचाना उनका नैतिक दायित्व है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे भी इस तरह के जनहितकारी कार्य लगातार जारी रहेंगे और जरूरतमंदों की हरसंभव सहायता की जाएगी।

अशवंत तुषार साहू ने इंडिया गठबंधन पर साधा निशाना

महासमुंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशवंत तुषार साहू ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण सिंधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया। साहू ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष का महिला सशक्तीकरण विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस बिल को गिराना, उसका उत्सव मनाया और इसे अपनी जीत बताना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के कारण अब देश की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाएगा, जो उनका अधिकार था। साहू ने यह भी कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का यह खेया नया नहीं है, बल्कि वे पहले भी इस तरह के प्रयासों में बाधा डालते रहे हैं।

साहू ने विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दशकों से लंबित इस प्रयास को विफल करने की उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

महासमुंद में शोक की लहर: कांग्रेस नेता सतनाम सिंह चांवला का निधन

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी महासमुंद के महामंत्री एवं शहर के प्रतिष्ठित नागरिक श्री सतनाम (सत्ते) सिंह चांवला का श्रिविवार देर रात लगभग 1:00 बजे रायपुर स्थित एम.एस.आई. (स्कू) अस्पताल में इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे महासमुंद शहर और कांग्रेस परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। श्री चांवला लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे। वे एक मिलनसार, सरल और



कर्मठ व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने सदैव समाज और संगठन के हित में कार्य किया। उनके निधन को पार्टी और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति माना जा रहा है।

दिवंगत श्री चांवला के पार्थिव शरीर को शाम 4:30 बजे अंतिम दर्शन के लिए कांग्रेस भवन, महासमुंद लाया गया, जहां बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने इश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकानुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके पश्चात पूरे सम्मान के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।



सौंदर्यीकरण हेतु 100 लाख (1 करोड़) रुपये एवं शहर के कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 4 एसएलआरएम सेंटरों के जीर्णोद्धार हेतु 150.64 लाख रुपये की लागत से कार्य किया जाएगा।इन कार्यों के पूर्ण होने से न केवल शहर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि नागरिकों को



मनोरंजन और भ्रमण के लिए एक सुंदर स्थल भी उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर उपस्थित वार्ड वार्डियों को संबोधित करते हुए पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि नगर का सर्वांगीण विकास ही हमारा संकल्प और प्रार्थमिकता है। आज जिन कार्यों का भूमिपूजन हुआ है, वे केवल

निर्माण कार्य नहीं, बल्कि शहर के भविष्य को संवारने की मजबूत नींव हैं। अवंरेटी तालाब का सौंदर्यीकरण न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि यह नागरिकों के लिए एक प्रेरणादायक सार्वजनिक स्थल बनेगा। वहीं, स्क्रू सेंटरों का उन्नयन भाटापारा को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगा।

हमारा लक्ष्य है कि अपना शहर स्वच्छ, सुंदर और विकसित हो। इसके लिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जनता का विश्वास और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और इसी के

बल पर हम भाटापारा को प्रदेश के अग्रणी नगरों में स्थापित करेंगे। भूमि पूजन के अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव, राकेश तिवारी,टिक्कू नायडू,नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छबड़िया,सभापति गोविंद पटेल,संतोश तल्लेजा, मनीष मिश्रा, पार्षदगण मोंटू धरूव,उमाशंकर वर्मा,नंदू वैष्णव ध्रुवन सिंह ठाकुर चंद्रकांत खूटे, संतोश साहू कीर्तन जायसवाल पिछड़ा वार्ड जिलाध्यक्ष महाबल बघेल किसान मोर्चा महामंत्री आशीष टोडर लिकेश साहू सहित वार्ड वार्सी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पेज 1 का शेष...

200 फीट गहरी खाई...

लाए। सभी यात्रियों को पहले पुष्कर के सरकारी अस्पताल लेकर गए। वहां से उन्हें अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। एक्सिडेंट के बाद पुष्कर घाटी में लंबा जाम लगा गया। 200 फीट नीचे पेड़ और झाड़ियों में फंसी बस

सीओ ग्रामीण रामचंद्र चौधरी ने बताया- अजमेर से पुष्कर की ओर जाते समय सांझीसर से थोड़ा आगे यह हादसा हुआ है। बस अचानक मेन रोड से खड़ा में उतर गई। करीब 200 फीट नीचे आकर पेड़ और झाड़ियों में फंस गई। लोगों की मदद से 33 यात्रियों को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। इनमें से पूजा (28) पत्नी विजय सिंह धुनर और विमला देवी (50) पत्नी ओम प्रकाश गुर्जर की मौत हो गई। दोनों अजमेर की रहने वाली थीं। वहीं एक

घायल को हॉस्पिटल से छुड़ी दे दी गई। ड्राइवर की तलाशी की जा रही है। पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया- प्रथम दृष्ट्या मामला ब्रेक फेल होने का लग रहा है। हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

फिटनेस और इश्योरेंस, दोनों खत्म ऑनलाइन ऋट (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) देखने पर सामने आया कि मिनी बस (ऋष्टि19३९932) का फिटनेस और इश्योरेंस, दोनों खत्म हो गए थे। बस का इश्योरेंस 6 अगस्त 2025 जबकि फिटनेस 31 मार्च 2026 को खत्म हो चुका था। बस के मालिक अमृतपाल सिंह हैं। परिवार बस को किराए पर लेकर सवामणी में कपड़े (मायरा) लेकर जा रहे थे।

पटराखा फैक्ट्री में धमाका...

जिला कलेक्टर से बात कर सभी के जरूरी सहायता पहुंचाने के लिए व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

एसप्रेंसवे खतरें का...

को राजस्थान के फलोदी,

तेलंगाना के रंगारेड्डी में लगातार हुई सड़क दुर्घटनाओं में 34 लोगों की मौत के बाद दर्ज केस पर सुनवाई कर रहा था।

सामूहिक विवाह बढ़ाते हैं

कार्य,4.55 करोड़ रुपए से नीलगंगा सरोवर का पुनर्जीवन का कार्य,1.11 करो? रुपए से सोलह सागर के पुनर्जीवन का कार्य,1.59 करोड़ रुपए की लागत से कालिदास उद्यान को आधुनिक रूप से विकसित करने का कार्य,7.73 करोड़ रुपए से विक्रम कीर्ति मंदिर परिसर सभागार के संरक्षण और बांगड भवन को मुद्रा संग्रहालय के रूप में विकसित करने का कार्य, 8.55 करोड़ रुपए की लागत से विक्रम कीर्ति संग्रहालय को एक आधुनिक आकर्षक एवं सुव्यवस्थित रूप प्रदान करने के कार्यों का भूमि पूजन अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर किया जा रहा है।

सिंहस्थ के लिए मुरलीपुरा के पीछे सदावल में नवीन हेलीपैड का निर्माण हो रहा है। साथ ही उज्जैन में नवीन एयरपोर्ट का निर्माण भी हो रहा है। यह सब कार्य सिंहस्थ 2028 में आने वाले 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को प्रविष्टा प्रदान करेंगे। साथ ही प्रशासन को भीड़ प्रबंधन में सहायता प्रदान करने के साथ श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव आध्यात्मिक और सुखद बनाएंगे।

भगवान परशुराम और श्रीकृष्ण

सरकार द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के लीला-स्थलों को +श्रीकृष्ण पाथेय+ के रूप में विकसित कर उन्हें तीर्थ स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हुई हैं, उन सभी स्थानों को आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित

‘नदी जोड़ी अभियान’ की सराहना करते हुए कहा कि केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से मालवा एवं राजस्थान क्षेत्र को पेयजल, सिंचाई, उद्योग और बिजली उत्पादन में व्यापक लाभ मिलेगा, जो क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सड़क, पुल, बांध, नहर, अस्पताल और स्कूल जैसी आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में +सांदीपनि विद्यालय+ के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर ल्यौहार और परंपरा को समाज के साथ मिलकर उत्सव के रूप में मनाना और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिलाओं के अधिकारों के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उन्हें उनका हक दिलाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सनातन

संस्कृति में माता के सम्मान और देवताओं के साथ उनके नाम के महत्व को विशेष रूप से रेखांकित किया।

सीएम यादव ने मोहनखेड़ा महातीर्थ में

है, इसी उद्देश्य के साथ सरकार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि जनजातीय अंचल में गुरुदेव के आगमन से नई चेतना का संचार हो रहा है। गुरुदेव के इंदौर में चातुर्मास आगमन पर राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही, उनके आशीर्वाद से कार्य के पूर्ण करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन स्तर पर सामाजिक चेतना के विकास के लिये अनेक कार्य किए जा रहे हैं। गौशालाओं में प्रति गाय अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये की गई है। दुग्ध उत्पादन और प्राकृतिक कृषि

को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। गरीबों के जीवन स्तर में सुधार और उनके उत्थान के लिए सरकार सकल्पित होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसिद्ध मोहनखेड़ा महातीर्थ में पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन कर दर्शन किए। गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब मानव के मन में धर्म का अंश जागृत होता है, तभी वह इस प्रकार के पुण्य आयोजनों में सहभागी बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रदेश सेवा के लक्ष्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ें, उनका आशीर्वाद सदैव साथ है।इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विरासत के गौरव को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।



भारत में शुरू होने जा रही फ्लाइटिंग टैक्सी, इंडिगो ने इस देसी स्टार्टअप पर लगाया बड़ा दांव

नई दिल्ली। सोचिए, आप सुबह घर से निकलें और 100 किलोमीटर दूर किसी शहर में अपनी मीटिंग के लिए सिर्फ 15 मिनट में पहुंच जाएं। न कोई ट्रैफिक जाम, न रेड लाइट और न ही ट्रेन का लंबा इंतजार।

सुनने में यह किसी हॉलीवुड साईंस फिक्शन फिल्म का सीन लग सकता है, लेकिन अब यह भारत में हकीकत बनने जा रहा है। देश में 30 से 300 किलोमीटर की 'मिडिल डिस्टेंस' यात्रा को आसान बनाने के लिए

देसी स्टार्टअप 'सरला एविएशन' और दिग्गज एयरलाइन कंपनी 'इंडिगो' ने हाथ मिला लिया है। दोनों कंपनियां मिलकर भारत में एक नया एयर टैक्सी नेटवर्क तैयार कर रही हैं, जो सड़क और आसमान के बीच की दूरी को मिटाकर सफर का पूरा अनुभव बदल देगा।

भारत में सड़क और रेलवे का बेहतरीन जाल होने के बावजूद 100-200 किलोमीटर की यात्रा के लिए लोगों को अक्सर भारी ट्रैफिक और

घंटों की देरी का सामना करना पड़ता है। इसी बड़ी समस्या को दूर करने के लिए इंडिगो वेंचर्स ने सरला एविएशन में 10 करोड़ रुपये का भारी निवेश किया है।

इस निवेश को भारत के पहले बड़े एयर टैक्सी नेटवर्क की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सरला एविएशन का यह फंडिंग राउंड एक्सेल और निखिल कामथ के नेतृत्व में पूरा हुआ है। इंडिगो के पास योजना 2000 से ज्यादा उड़ानों और



85 एयरपोर्ट का मजबूत नेटवर्क है, ऑपरेशनल स्तर पर बड़ी ताकत जो इस प्रोजेक्ट को तकनीकी और देगा।

रोजगार से लेकर मेडिकल इमरजेंसी तक

भारत का नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGC) भी इस नई तकनीक के लिए तेजी से नियम और रास्ते तैयार कर रहा है। सरला एविएशन की टीम में लिलियम और जॉबी एविएशन जैसी वैश्विक कंपनियों के एक्सपर्ट शामिल हैं। कंपनी का मानना है कि भारत की विशाल आबादी और डिमांड के कारण एयर टैक्सी की जरूरत यहां सबसे ज्यादा है। इस फ्लाईंग टैक्सी के शुरू होने से न सिर्फ ट्रांसपोर्टेशन की शक्ल बदलेगी, बल्कि एयरोस्पेस सेक्टर में हजारों नई नौकरियां भी पैदा होंगी। इसके अलावा, इमरजेंसी मेडिकल सर्विस की रफ्तार बढ़ेगी, छोटे शहर सीधे बड़े शहरों से जुड़ेंगे और रक्षा क्षेत्र के लॉजिस्टिक्स को भी नई मजबूती मिलेगी।

न्यूज गैलरी

स्मार्टफोन्स में प्री-इंस्टॉल नहीं होगा आधार एप, सरकार ने लिया यू-टर्न

नई दिल्ली। स्मार्टफोन यूजर्स और मोबाइल कंपनियों के लिए एक अहम खबर है। भारत सरकार ने स्मार्टफोन्स में आधार ऐप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने के अपने प्रस्ताव को अब आधिकारिक तौर पर वापस लेने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि अब एप्पल, सैमसंग और अन्य स्मार्टफोन कंपनियों को भारत में बिकने वाले अपने मोबाइल फोन्स में पहले से आधार ऐप डालकर देने की कोई जरूरत नहीं होगी। दिग्गज स्मार्टफोन कंपनियों के भारी विरोध के बाद एक सरकारी संस्था ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार अब इस प्रस्ताव पर आगे विचार नहीं करेगी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आधार का संचालन करने वाली सरकारी संस्था यूआईडीएआई ने इसी साल जनवरी में आईटी मंत्रालय से संपर्क साधा था। यूआईडीएआई ने मंत्रालय से एप्पल, गूगल और अन्य प्रमुख स्मार्टफोन निर्माताओं के साथ बातचीत कर आधार ऐप को फोन में प्री-इंस्टॉल करना अनिवार्य बनाने की मांग की थी। हालांकि, अब छद्म ने अपने एक बयान में स्पष्ट कर दिया है कि आईटी मंत्रालय ने इस प्रस्ताव की गहन समीक्षा की है और वह स्मार्टफोन पर इस ऐप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य बनाने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है। गौरतलब है कि देश के करीब 1.34 अरब लोगों के पास 12 अंकों का यह यूनिक आइडेंटिटी नंबर है, जिसका इस्तेमाल बैंकिंग से लेकर एयरपोर्ट पर फास्ट ट्रैंटी तक में किया जाता है।

पेटीएम गोल्ड ने 12,000 पिन कोड्स तक डिलीवरी सेवा का किया विस्तार

नई दिल्ली। पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने शुक्रवार को अपनी पेटीएम गोल्ड सेवा को और आसान बनाते हुए बड़ी घोषणा की। अब कंपनी 12,000 से ज्यादा पिन कोड में फिजिकल गोल्ड की डोरस्टेप डिलीवरी की सुविधा का विस्तार किया है। इससे डिजिटल गोल्ड बैलेंस को 24-कैरेट गोल्ड कॉइन्स में बदलना आसान हो गया है, जिससे पूरे देश में गोल्ड खरीदना और उसे प्राप्त करना और भी सरल हो गया है। पेटीएम भारत की फुल-स्टैक मर्चेंट पेमेंट्स लीडर है और एमएसएमई व बड़े उद्यमों को सेवा देती है, साथ ही एक प्रमुख फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी और मोबाइल पेमेंट्स, क्यूआर कोड व सॉरंड्रेटेक की अग्रणी कंपनी है। कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी के साथ साझेदारी में पेटीएम गोल्ड की पेशकश करती है। एमएमटीसी-पीएएमपी, एमएमटीसी लिमिटेड और स्विट्जरलैंड की एमकेएस पीएएमपी एसए का संयुक्त उपक्रम है। यह सेवा डिजिटल गोल्ड बैलेंस को फिजिकल गोल्ड में बदलने की सुविधा देती है, जिससे गोल्ड की बचत पर ज्यादा लचीलापन और नियंत्रण मिलता है। फिजिकल गोल्ड को रिडीम करते समय मामूली मेकिंग और डिलीवरी शुल्क लागू होते हैं।

मुकेश अंबानी को पछाड़ गौतम अडानी ने फिर किया बड़ा धमाका

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एक बार फिर व्यापार जगत में अपनी बादशाहत कायम कर ली है। संपत्ति के मामले में उन्होंने न केवल भारत में, बल्कि पूरे एशिया में नंबर वन का ताज अपने नाम कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़ दिया है और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। इस छलांग के साथ ही गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ बढ़कर 92.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जबकि मुकेश अंबानी 90.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भले ही सुस्ती देखने को मिली और सेंसेक्स 123 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, लेकिन अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों ने तूफानी प्रदर्शन किया। इसी शानदार तेजी के दम पर गौतम अडानी की नेटवर्थ में फाइव एक ही दिन के भीतर 3.56 अरब डॉलर का भारी इजाफा हो गया। इसके उलट, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खास हलचल नहीं हुई और वे लगभग सपाट बंद हुए। इस वजह से मुकेश अंबानी की संपत्ति में मात्र 76.7 मिलियन डॉलर की ही मामूली बढ़ोतरी दर्ज की जा सकी।

फाइनल हुआ लैला का लुक, गली सीरीज के लिए हंसिका ने की कड़ी मेहनत

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज गली की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में लैला नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने



काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके

करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया। हंसिका ने कहा, लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नज़ाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है। उन्होंने आगे कहा, इस पूरे प्रोसेस

में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है। हंसिका मोटवानी ने कहा, जब कोई कलाकार अपने किरदार को अंदर से समझ लेता है, तब उसका बाहरी रूप भी अपने आप सही दिशा में ढलने लगता है। यही वजह है कि मैंने लैला के किरदार को सिर्फ निभाने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसे महसूस करने पर भी ध्यान दिया।

देश-विदेश

पीएफ कटने की सैलरी लिमिट बढ़कर होगी 30 हजार रुपए

सरकार करने जा रही है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। प्राइवेट नौकरी करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आ रही है। केंद्र सरकार जल्द ही प्रोविडेंट फंड (क्लर) कवरेज के लिए तय की गई बेसिक सैलरी लिमिट को भारी मार्जिन से बढ़ाने पर विचार कर रही है।

मौजूदा समय में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (श्रक्लर) के तहत अनिवार्य पीएफ कटौती के लिए वेतन सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय है, जिसे अब बढ़ाकर 25,000 से 30,000 रुपये तक किया जा सकता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय में इस लंबे समय से लटके प्रस्ताव पर अब तेजी से काम शुरू हो गया है, जिससे आने वाले समय में देश के एक बड़े वर्कफोर्स को रिटायरमेंट फंड और सामाजिक सुरक्षा का सीधा लाभ मिल



सकेगा।पीएफ लिमिट बढ़ाने के इस बड़े फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि हाल के दिनों में, खासकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (हृष्टक) में, औद्योगिक और प्राइवेट कर्मचारियों के वेतन में अच्छी खासी बढ़ोतरी देखी गई है। इस सैलरी हाइक के कारण कई कुशल कर्मचारी 15,000 रुपये की सीमा को पार कर गए हैं और तकनीकी रूप से अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे से बाहर होने के खतरे का सामना कर रहे हैं। सरकार का मानना है कि अगर समय रहते यह लिमिट

नहीं बढ़ाई गई, तो 'यूनिवर्सल सोशल सिक्वेरिटी' यानी सभी को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य अधूरा रह जाएगा।ईपीएफओ के साथ-साथ सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम (श्रक्शुत्र) के तहत भी वेतन सीमा को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। फिलहाल ईएसआईसी के तहत वेतन सीमा 21,000 रुपये प्रति माह है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और नियमों के बेहतर पालन के लिए ईपीएफओ और ईएसआईसी, दोनों योजनाओं की

15 साल बाद बांग्लादेश में खेलेगी वनडे सीरीज

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस साल जून के महीने में बांग्लादेश में वनडे और टी-20 सीरीज खेलेगी। सीरीज में 3 वनडे और 3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। साल 2011 के बाद यह पहला मौका होगा जब कंगारू टीम बांग्लादेश की धरती पर कोई वनडे सीरीज खेलेगी।

ये मुकाबले ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम और चटगांव के मतीउर रहमान स्टेडियम में आयोजित होंगे। ऐसे में आइए पूरी खबर पर एक नजर डाल लेते हैं।सीरीज के वनडे



मुकाबले 9, 11 और 14 जून को होंगे। ये सभी मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज होगी। ये मैच 17, 19 और 21 जून को चटगांव के मतीउर रहमान स्टेडियम में होंगे। क्रिकेट

ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, एक नया प्रसारण अधिकार समझौता किया गया है, ताकि इन मुकाबलों को देखने में ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को परेशानी न हो और वे सभी मैच आसानी से देख सकें। बांग्लादेश दौर से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ब्रिस्बेन में प्रशिक्षण शिविर लगाएगी।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं विराट कोहली

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 26वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। ये मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली से एक बार फिर बड़ी पारी की उम्मीद होगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। ऐसे में आइए

उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहला मुकाबला साल 2008 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 31 मुकाबले खेले हैं और इसकी 30 पारियों में 49.13 की उम्दा औसत के साथ 1,130 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 133.68 की रही है। कोहली के बल्ले से 11 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 99 रन रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 101 चौके और 33 छक्के लगाए हैं।

अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में पूरे किए 100 विकेट, प्लेयर ऑफ द मैच भी बने

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 100 विकेट पूरे कर लिए और ऐसा करने वाले पंजाब किंग्स के पहले गेंदबाज बने हैं। अर्शदीप ने मुंबई इंडियंस के रयान रिक्लेटन को आउट कर यह खास मुकाम हासिल किया। मैच के बाद उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी

चुना गया। उनकी टीम को 7 विकेट से जीत मिली। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप ने पहला मुकाबला 2019 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 87 मुकाबले खेले हैं और इसकी 86 पारियों में 26.87 की औसत से 102 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 2 बार 4 विकेट हॉल और 1 बार 5 विकेट हॉल लिया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/32 का रहा है। अर्शदीप के बाद पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट पीयूष चावला ने लिए हैं।

आईपीएल: नमन धीर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया अर्धशतक

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मैच में मुंबई इंडियंस के नमन धीर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में 50 रन की पारी खेली। यह उनके आईपीएल करियर का दूसरा अर्धशतक रहा। इस बीच उन्होंने क्रिंटन डिकॉक के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करते हुए मुंबई इंडियंस की पारी को संभाला। आइए उनकी पारी और आईपीएल के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

मुंबई इंडियंस ने जब 12 रन के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट खोया, तब धीर क्रीज पर आए। दाएं हाथ के बल्लेबाज को 10 रन के व्यक्तिगत स्कोर पर जीवनदान मिला। मार्को जानसेन की गेंद पर युजवेंद्र चहल ने उनका कैच छोड़ा। इस मौके का उन्होंने भरपूर फायदा उठाते हुए 29 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वह 31 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और इतने ही छक्के लगाए।



बल्लेबाज हेनरी निकोल्स ने अर्धशतक (68) लगाया। उनके अलावा मध्यक्रम में डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 59 रन की पारी खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जबाब में बांग्लादेश ने 21 रन तक अपने 2 विकेट खोए। इसके बाद सैफ हसन ने 57 रन की पारी खेली।

मध्यक्रम में तौहीद हदय और लिटन दास (46) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके।न्यूजीलैंड से पारी की शुरुआत करने आए निकोल्स ने अपने वनडे करियर का 17वां अर्धशतक 65 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने 83 गेंदों का सामना करते हुए 68 रन बनाए।

दूसरी बार टल गई सनी देओल की ‘गबरू’ की रिलीज डेट, सलमान का कैमियो हुआ कंफर्म

पहले 'गदर 2' और अब 'बॉर्डर 2' की कस्मसे ने सनी देओल को एक बार फिर ऊंचाईयं पर पहुंचा दिया है। वहीं फैंस अब एक्टर की अपकमिंग फिल्मों को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं इनमें 'गबरू' भी शामिल है। इस फिल्म की रिलीज डेट 8 मई तय की गई थी लेकिन अब खबरों के मुताबिक सनी देओल की 'गबरू' के लिए फैंस को और इंतजार करना पड़ सकता है। दअसल फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया, गबरू की रिलीज टाल दी गई है और यह 8 मई को सिनेमाघरों में नहीं आएगी। मेकर्स कुछ दिनों में नई रिलीज डेट तय कर लेंगे, जिसके बाद वे



ऑफिशियल अनाउंसमेंट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गबरू 13 मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 8 मई तक टाल दिया गया. अब, इस नए अपडेट से पता चलता है कि अभिनेता के फैंस को फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए कुछ और समय इंतजार करना पड़ेगा. इससे पहले, नवंबर 2025 में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि सनी देओल की इस फिल्म में

सलमान खान कैमियो करेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने कंफर्म करते हुए बताया, एक स्टार की जरूरत थी और निर्माताओं को पता था कि सलमान खान इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही हैं. सलमान से संपर्क किया गया और उन्हें यह किरदार और फिल्म में इसका कॉन्ट्रिब्यूशन बहुत पसंद आया. उन्होंने एक साल से भी पहले चुपचाप फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी और फिल्म अच्छी बन रही है. गबरू में उनका कैमियो बेहद दिल छू लेने वाला है. यह प्यारा होने के साथ-साथ बेहद एंटरटेनिंग भी है. फिल्म में उनके कुल तीन सीन हैं, इसलिए यह एक एक्साटेडिंग स्पेशल अपीयरेंस है।



टाट में पैबन्द

पिछले सवा दो साल में हर तीसरे महीने मुख्यमंत्री बदलने की अफवाह उड़ाने वाले गिरोह की पतासाजी में लगी केन्द्र व राज्य की जांच एजेंसियों को अपने ही 'टाट में पैबन्द' दिखने लगे तो फिर क्या ही कहे? इस सवा दो साल में कम से कम तीन चार बार ऐसा हुआ है। हर अफवाह के बाद केन्द्र और राज्य की खुफिया एजेंसियां अपने स्तर पर पतासाजी करने लगती हैं, लेकिन घुम फिर बात वही आ जाती हैं कि 'हमे तो अपनों ने मारा गैरो में कहा दम था... करती, वहा डूबी जहा पानी कम था' दरअसल एक तबका आदिवासी मुख्यमंत्री को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा हैं तो वह केन्द्र शासित प्रदेश होने का उलाहना देता है। साथ में सरकार पर नौकरशाही के प्रकोप का रोना रोता है। अब यदि सीधे तौर पर सरकार बदनाम नहीं हो पा रही तो कुछ इस तरह की कलाबाजियां करता है कि सरकार भी बदनाम हो जाए और स्वार्थ भी सध जाय। नीति नियन्ताओं की मासूमियत देखिए कि अफवाहबाजों की तलाश विपक्षी खेमे में की जा रही है, जबकि सब जान रहे हैं कि सारे स्वनामधन्य, सर्वदलीय बड़े नेताओं के राजनीतिक, आर्थिक हित सत्ता से जुड़े हैं।

आखिर कर ही दिया कमाल



पिछले सप्ताह इसी कालम में हमने दर्जा प्राप्त नेताओं की पीड़ा व्यक्त की थी, उन्हें दर्जा तो केबिनेट और राज्य मंत्री का है, लेकिन वित्तीय अधिकार नहीं होने के कारण काम धंधा मंदा था। लेकिन खेल शुरू हो चुका है, महिला बाल विकास विभाग से। राज्यभर की 1 लाख 94 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए साड़ी खरीदी का आदेश खादी ग्रामोद्योग को दिया गया था। लगभग 9 करोड़ 70 लाख रुपए की इस खरीदी में 100 रुपए की साड़ी 500 रुपए में प्रदाय करने के आरोप है, यानि विशेषज्ञ यह गणित लगा रहे हैं कि इस खरीदी में खेल कितने करोड़ का हुआ है। दरअसल ये अभी शुरुआत है, क्योंकि खादी ग्रामोद्योग को भंडार क्रय नियमों में छूट होने के कारण विभागों को सीधे सप्लाई कर सकते हैं। यानि जेम के नियम शर्तों से बाहर। सोशल मीडिया में फजीहत के बाद विभाग ने जांच के आदेश तो दे दिए हैं, लेकिन जब खुद की जांच खुद को ही करनी हो तो जांच रिपोर्ट का अंदाजा लगा लीजिए।

बड़ा चिरकुट कौन ?

इन दिनों चिरकुटाई को लेकर देशव्यापी बहस चल रही है कि कौन कितना बड़ा चिरकुट है? इरान अमरीका और इजराईल युद्ध के दरम्यान मेन स्ट्रीम टीवी मीडिया के सभी चैनलों महिला, पुरुष एंकरों को एक पाकिस्तानी बलूच चिरकुट बेइतहा जलील कर रहा है। नान स्टाप, गाली- गलौच, अश्लील टिप्पणी के बावजूद कोई भी एंकर उसको रोकता नहीं, अलबत्ता उसके हाँसले इतने बुलन्द है कि 140 करोड़ की आबादी वाले विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री का नाम लेकर बेहूदे ढंग से बात करता है। फिर भी न केवल उसे पाकिस्तान से चैनल पर आन एअर लिया जाता है, बल्कि उसकी नान स्टाप गाली को सुना और सुनाया जा रहा है। इसे टीआरपी की भूख समझने वाले लोग इस पाखंड को नहीं समझ पा रहे हैं। मेन स्ट्रीम के लोग तो देश की संप्रभुता के साथ खेल ही रहे हैं कुछ यू ट्यूबर्स ने इसको धंधा बना लिया हैं इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके पीछे किसका इको सिस्टम काम कर रहा हैं यह शोध का विषय है। चिरकुटाई में एक-दूसरे को मात देते इन लोगों की हल्कट दर्जे की चिरकुटाई का विरोध तो होना चाहिए। नहीं तो गंदगी उपर से नीचे की ओर तो बहती ही है।

...और जीता टेलेन्ट

पिछले सप्ताह इसी कॉलम में पाठकों के हवाले से एक सवाल छोड़ा गया था कि नोट शीट से मचे हड़कंप के बाद देखे कौन जीतता है। सत्ता संगठन का इकबाल या अफसर का टैलेंट? 'इसका जवाब इस हप्ते मिल गया और ...जीता टैलेंट'। प्रशासन में डिजिटल नवाचारों के ध्वजावाहक कहे जाने वाले शैलाभ साहू सारे झंझावतों को पार करते हुए आखिर अपनी मंजिल पर पहुंच ही गए। वन व परिवहन मंत्री केदार कश्यप के ओएसडी बनने के लिए चली उनकी नोटशीट ने ऐसा हड़कम्प मचाया कि विल्ली से लेकर बंगाल तक न केवल सत्ता, संगठन बल्कि डिजिटल गलियारा भी चौक गया। विचारधारगत सारी शिक्वा शिकायतों के बावजूद अपने टैलेन्ट के बूते लक्ष्य पर पहुंचे इस डिजिटल प्रेमी अफसर को परम्परागत प्रशासन की कसीटी पर खरा उतरना हैं, हालांकि उन्हें पॉलिटिकल मैनेजमेंट के लिए भी जाना जाता है, बशर्ते कि वह सरकार के हित में हो।

सरकार बेचेगी रेत लेकिन...

सरकार ने रेत बेचने का फैसला कर लिया है। सरकार अब रेत ठेकेदारों की मोनोपली खत्म करने खनिज विकास निगम के माध्यम से रेत बेचेगी। दावा किया जा रहा है कि आम जनता को राहत मिलेगी। लेकिन, सरकार ने जिस तर्ज पर रेत बेचने का फैसला किया है, उससे माइनिंग अफसरों के इशारे जाहिर हो गए हैं। दरअसल, सरकार ने उचित मूल्य की दुकानों की तर्ज पर रेत बेचने का फैसला किया है। माइनिंग विभाग के मासूम अफसरों को शायद यह पता नहीं है कि शासकीय उचित मूल्य की दुकानें पिछले कई दशकों से ब्लैक मार्केटिंग के लिए सिर्फ प्रदेश में नहीं बल्कि पूरे देश में कुख्यात हैं। अब राशन दुकानों की तर्ज पर जब रेत बिकेगी तो कालाबाजारी तो होगी ही। रेत की कालाबाजारी का कुछ हिस्सा रेत ठेकेदारों के हाथ से छीनकर खनिज विकास निगम के माध्यम से ब्लैक मार्केटिंग शुरू हो जाएगी।

'बीबी' के बिना नहीं दिख रहा कांग्रेस का दमखम

बीते एक हफ्ते में प्रदेश में दो बड़े मामले सुर्खियों में रहे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को घंटिया साड़ियों के वितरण का मामला उजागर हुआ और इसके बाद सत्ती में वेदांता पॉलर प्लांट का बायलर फूटने से 21 लोगों की मौत का दर्दनाक हादसा हुआ। दोनों ही मामलों में कांग्रेस का स्टैंड दमदार नहीं रहा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पिछली सरकार के कद्दावर नेता चरणदास महार, टीएस सिंहदेव, जैसे दिग्गज नेताओं की सक्रियता सिर्फ इक्का दुक्का बयानबाजी तक सीमित है। वेदांता हादसे की जांच टीम के गठन से भी मामला गर्म नहीं हो सका। ताम्रध्वज साहू, रविंद्र चौबे, मोहम्मद अकबर जैसे कई बड़े नेता तो पूरी तरह सीन से गायब हैं। कांग्रेस नेता की यदि माने तो 'बीबी' के बिना कांग्रेस पॉवरफुल तरीके से दमखम नहीं दिखा पाती। 'बीबी' इस समय बंगाल के चुनाव में व्यस्त हैं। गुह राज्य में कुछ घंटे के लिए आकर लौट जाते हैं। इसलिए माहौल नहीं बन पा रहा। कांग्रेस नेताओं को 'बीबी' यानी भूपेश बघेल के लौटने का इंतजार है, ताकि सूरज की तपिश के साथ ही यहां की राजनीति का पारा भी चढ़ सके।



शराबबंदी की मांग और बहन जी की पलटीमार राजनीति

कांग्रेस की शराबबंदी की मांग से एक बार फिर राजनीति गरमा गई है। जब तक कांग्रेस सरकार रही तब तक शराबबंदी की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं का गोलमोल जवाब रहा। शराबबंदी से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक नफे नुकसान की रायशुमारी में सारा कार्यकाल निकाल दिया। इस दौरान भाजपा गंगाजल लेकर शराबबंदी की कसम की याद दिलाती रही। यहां तक की भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की पदाधिकारी भी तब के सीएम को राखी भेजकर शराबबंदी का उपहार मांगती रही। अब सरकार बदलने के बाद अब पूरा सीन उल्ट पलट चुका है। अब कांग्रेसी शराबबंदी की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस-भाजपा के शह और मात के इस खेल में शराब की बिक्री दिन दुनी और रात चौगुनी बढ़ रही है। भाजपा वाली बहनजी ने तो चुप्पी साध ली है। अब कांग्रेस शराबबंदी मांग रही है।

स्कूलों में टायलेट तो है नहीं, पढ़ाई मंत्रीच्चार से

प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा स्कूलों में टायलेट नहीं है। सर्वे रिपोर्ट पर यदि भरोसा करे तो ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों की बच्चियां सिर्फ टायलेट की वजह से स्कूल जाना छोड़ रही है। इस ड्रापऑउट पर विभाग कितना चिंतित है कि ओ इस बात से पता चलता है कि स्कूलों में पढ़ाई की शुरुआत मंत्रीच्चार से करने के आदेश देता है, लेकिन पढ़ाई के लिए बुनियादी जरूरतों को दरकिनार किया जा रहा है। यानि स्कूल जाकर मंत्र पढ़िए और यदि टायलेट का प्रेशर बने तो बाहर जाकर किसी सुरक्षित जगह पर रिलिज करें।



खबरची

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु 200 पानी केम्पर दान, दानदाताओं का हुआ सम्मान

उज्जैन/नवप्रदेश। श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं की पेयजल सुविधा को ध्यान में रखते हुए विदेश से दानदाताओं द्वारा 200 पानी केम्पर भेंट किए गए। केनेडा से दानदाता अनिश गोयल द्वारा 100 नग एवं केतन त्रिवेदी द्वारा 100 नग पानी केम्पर मंदिर में दान किए गए। इस पहल से श्रद्धालुओं को गर्मी के मौसम में बड़ी राहत मिलेगी। इस पुनीत कार्य के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने दानदाताओं का स्वागत एवं सम्मान किया।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी को गति : ग्रीन और क्लीन मिशन के तहत नगर निगम को मिली 2 करोड़ की बैटरी चालित अर्थ वर्क मशीन

उज्जैन/नवप्रदेश। डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को और सुदृढ़ करते हुए ग्रीन सिंहस्थ, क्लीन सिंहस्थ अभियान के अंतर्गत ली आग कंपनी द्वारा बैटरी से चलने वाली आधुनिक अर्थ वर्क मशीन उज्जैन नगर निगम को सौंप दी गई। इस मशीन की अनुमानित लागत लगभग 2 करोड़ रुपए बताई गई है। यह अत्याधुनिक मशीन पर्यावरण के अनुकूल है और सिंहस्थ महापर्व के दौरान स्वच्छता एवं निर्माण कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैटरी से संचालित होने के कारण यह प्रदूषण रहित कार्य करेगी, जिससे ग्रीन सिंहस्थ और क्लीन सिंहस्थ के संकल्प को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और संसाधनों के उपयोग से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हामू खेड़ी में सामूहिक विवाह सम्मेलन : मुख्यमंत्री ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद, 23 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

हामू खेड़ी/नवप्रदेश। डॉ. मोहन यादव ने हामू खेड़ी में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ, जहां मुख्यमंत्री ने सभी नव-विवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद, समृद्ध और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में विशेष रूप से नव-विवाहित कन्याओं को दोपहिया वाहन (टू-व्हीलर) भेंट किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं मंडप में पहुंचे और सभी नवदंपतियों को व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद प्रदान करते हुए उन पर पुष्पवर्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज में समानता, सादगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का एक अनुकरणीय माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान



बच्चों में सकोरे वितरण कर जीवदया के प्रति जागरूकता का अनूठा प्रयास

नागदा/नवप्रदेश। ग्रीष्म ऋतु में पक्षियों के संरक्षण और जीवदया के भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप नागदा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को सकोरे वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में करुणा और संवेदनशीलता विकसित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्राचार्या प्रतिभा बोराल रही। वक्ताओं ने इसे बच्चों में संस्कार निर्माण की दिशा में सकारात्मक पहल बताया। सकोरे वितरण का लाभ प्रकाशचंद्र लुणावत (सावेर वाला) परिवार ने लिया, वहीं सतीश जैन एवं निलेश जैन का सम्मान

किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत नाहर ने किया तथा आभार त्रीड़ा शिक्षक कृष्णचंद्र पुरोहित ने माना। इस अवसर पर ग्रुप सदस्य, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



भैरवगढ़ केन्द्रीय जेल में व्यक्तित्व परिष्कार शिविर का समापन

बंदियों ने बुराई त्यागने का लिया संकल्प

उज्जैन/नवप्रदेश। केन्द्रीय कारागार भैरवगढ़ में मध्य प्रदेश शासन एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो वर्षीय 'अभिनव व्यक्तित्व परिष्कार शिविर' का पंचकुडीय यज्ञ के साथ समापन हुआ। समापन अवसर पर मुख्य वक्ता श्यामलाल जोशी ने कहा कि आत्म परिष्कार मनुष्य जीवन की

सबसे बड़ी उपलब्धि है और अपनी ग़ुटियों को सुधारकर ही व्यक्ति अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। यज्ञ में बंदियों ने बुराई त्यागने और एक अच्छी आदत अपनाने का संकल्प लिया। दो वर्षों से प्रतिमाह आयोजित इस शिविर में योग, प्राणायाम, ध्यान और प्रेरणादायक गतिविधियों के माध्यम से बंदियों के व्यक्तित्व विकास पर कार्य किया गया। जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि शिविर से बंदियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जेल प्रशासन एवं गायत्री परिवार के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।



क्षत्रिय मारवाड़ी माली समाज का सामूहिक विवाह समारोह आज

उज्जैन/नवप्रदेश। फ़िगूलखर्ची पर अंकुश लगाते हुए सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने की दिशा में क्षत्रिय मारवाड़ी माली समाज की एक सशहनीय पहल सामने आई है। आज 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पानन अवसर पर समाज का मध्य सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस मांगलिक आयोजन में समाज के 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत करेंगे। आदेश सामूहिक विवाह समिति के सचिव मनोहर गेहलोत ने बताया कि इस आयोजन के संयोजक हिमन्त बागड़ी, अध्यक्ष विष्णुकुमार सांखला और धनीय मारवाड़ी माली समाज

अध्यक्ष मोती माटी के मार्गदर्शन में पूरा कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। आज मध्य चल समारोह एवं गंगाजल कलश यात्रा का आयोजन होगा। यात्रा उत्सर्ग स्थित समाज की धर्मशाला के प्रांश होकर लालबाई-फूलबाई मार्ग, मेरुनाला होते हुए पुन- समाज धर्मशाला पर समाप्त होगी। यात्रा में समाज की महिलाएं गंगाजल से भरे कलश धारण कर मंगल गान करेंगी। बैंड-बाजों के साथ निकलने वाला यह चल समारोह समाज की एकजुटता का प्रतीक होगा। वहीं दोपहर 12 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिगहना संस्कार शुरू होंगे। विवाह समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल होंगे।



नागदा में हर्षाभास से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव, महाआरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नागदा/नवप्रदेश। 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी (नागदा) के तत्वावधान में भव्य आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप चौक से अतिथियों की आवाानी के बाद पल्याबरोड स्थित आर्य गार्डन में मुख्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम एवं भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चार से हुई। उज्जैन से पधारे पूज्य शंकर लक्ष्मीनारायण जोशी महाराज ने समाज को एकता और शास्त्र ज्ञान का संदेश दिया।

महाकुंभ में वायरल हर्षा रिछारिया बनी साध्वी, उज्जैन में लिया सन्यास

उज्जैन/नवप्रदेश। महाकुंभ के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल रहीं हर्षा रिछारिया ने रघीवार को सन्यास ग्रहण कर लिया। मंगलनाथ स्थित गंगाघाट पर मोनी तीर्थ पीठाधीश्वर सुमनाजी महाराज से विधि-विधान के साथ दीक्षा लेकर उन्होंने सन्यासी जीवन अपनाया। साध्वी बनने के बाद उनका नया नाम हर्षानंद गिरि महाराज रखा गया। गौपाल निवासी हर्षा रिछारिया पहले एंकर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट के रूप में सक्रिय थीं। महाकुंभ 2025 के दौरान भगवा वेश में उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद वे अचानक चर्चा में आ गई थीं। हालांकि उनके पूर्व पेशे से जुड़ी तस्वीरों के कारण विवाद भी सामने आया था। दीक्षा के बाद साध्वी हर्षानंद गिरि ने कहा कि प्रयागराज कुंभ के दौरान ही उन्हें जीवन की दिशा के संकेत मिल गए थे। गुरु के मार्गदर्शन में संध्या दीक्षा लेकर उन्होंने सन्यास का मार्ग अपनाया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें शपथ दिलाई गई है कि वे ऐसा कोई कार्य नहीं करेंगी जिससे सन्यासी जीवन की मर्यादा पर आंच आए।



नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 साल की सजा, पॉक्सो कोर्ट का सख्त फैसला

उज्जैन/नवप्रदेश। नीलगंगा थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायालय ने आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 2,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश हर्ष भदौरिया की अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए आरोपी मनोहर राठौर (30), निवासी ग्राम सरवन थाना उन्हेल को

दोषी करार दिया। घटना 16 मई 2025 की रात की है, जब आरोपी ने नाबालिग को बहाने से बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने परिजनों को जानकारी दी, जिसके आधार पर नीलगंगा थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच पूरी कर न्यायालय में चालान पेश किया। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सूरज

बछेरिया एवं पीड़िता की ओर से अधिवक्ता मोहम्मद अरशद घोसी ने प्रभावी पैरवी की। न्यायालय ने साक्ष्यों एवं बयानों के आधार पर आरोपी को बीएनएस की संबंधित धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। जुर्रमाना अदा नहीं करने पर अतिरिक्त 6 माह की सजा का प्रावधान भी रखा गया है।

॥ जय श्री महाकाल ॥

॥ जय श्री राम ॥



पंडित आदित्य शास्त्री

विशेष साधना अनुष्ठान

जन्म पत्रिका, मंगल दोष, महररूढ़, पितृदोष, नवग्रह शांति यज्ञ-अनुष्ठान, अर्क विवाह, कालसर्प, कुम्भ विवाह, महामृत्यंजय जप हवननाटक, चण्डीपाठ हवननाटक, संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा आदि सभी मांगलिक कार्य वैदिक पद्धती द्वारा सम्पन्न कराये जाते हैं।

संपर्क करें- 6265086617 7024833117

✽ महाकाल मंदिर के पास, उज्जैन ✽

